एक नजर में

माता को ओढ़ाई 151 मीटर लंबी चुनरी

काँटाफोड़। नगर काँटाफोड़ के भक्तजनों द्वारा नवरात्रि के पहले दिन सलकनपुर पहुँच कर बिजासन माता को 151 मीटर की चुनरी ओढ़ाई गई। बग्गा मित्रमंडल द्वारा यह परंपरा पिछले 11 वर्षों से लगातार चली आ रही है। सोमवार को भाजपा नेता माता भक्त पोपेंद्र सिंह बग्गा, प्रदीप डाबी,बलराम पटेल,हरिओम तिवारी, मनीष शर्मा, विष्णु नारेड़ा,संजय जायसवाल,जीतू सिंगी, केदार बिनाकिया गजू पटेल बलिराम शर्मा संजय अमरेश संतोष अलासिया कमल तंवर ने माँ के दर्शन प्राप्त किए तथा चुनरी ओढ़ाई।

दादा गुरु के दर्शन को पहुंचे लोग

भौरासा। नेवरी फाटे पर अवधूत सिद्ध महायोगी दादा गुरु जी के आशीर्वाद के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी। भोपाल से करनावद के और जाते समय नेवरी फाटा क्रॉसिंग पर बागली विधायक मुरली भंवरा एवं संस्था श्री सनातन के नेतृत्व में पुष्प वर्षा कर श्री दादा गुरु का स्वागत किया। दादा गुरु अवधूत सिद्ध महायोगी की उपस्थिति में संस्था श्री सनातन के द्वारा तीन हजार वर्षों का रोपण एवं नक्षत्र वाटिका रोपण 22 सितम्बर सोमवार को स्थान कर्णेश्वर गौ सेवा धाम करनावद में आयोजित हो रहे एक कार्यक्रम में जाते समय दादा गुरु का नेवरी फाटा क्रॉसिंग पर पाटीदार मोटर पंप के संचालक मंगल पाटीदार व कमल पाटीदार के द्वारा सभी संस्था सदस्यों का भी चाय नाश्ता करा कर स्वागत किया गया।

जय कारे के साथ मां के दरबार में पहुंच रहे भक्त

सतवास। सतवास अंचल से मां बीजासन धाम सलकनपुर लगभग 130 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष पहुंच रहे है आज नवरात्र के प्रथम दिन राजवीर सिंह गौड़ ने तीसरे वर्ष की पैदल यात्रा अपने साथी रोहित जगताप , आनन्द सोलंकी, गोलू कहार, राम धनवरे कन्हैया सुहान के साथ प्रारंभ की। सतवास, कांटा फोड़, लोहारदा एवं आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सलकनपुर पैदल पहुंच रहे हैं सतवास से लगे ग्राम पलासिया द्वारा लगभग 25वर्षों से पैदल यात्रियों के लिए फलाहार की सेवा दे रहे हैं।

शासकीय कन्या हाई स्कूल बागली में प्रतियोगिताएं

बागली। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाया जा रहा है। बागली नगर परिषद द्वारा इस अभियान के तहत स्थानीय शासकीय कन्या हाई स्कूल में पहुंचकर अध्यनरत छात्राओं के मध्य स्वच्छता के विषय पर निबंध प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त छात्राओं का सम्मान किया इस दौरान उपस्थित छात्राओं ने आकर्षक रंगोली और चित्रकारी भी की छात्राओं ने प्रधानमंत्री जी का सपना स्वच्छ शहर हो अपना जैसे नारे लगाकर स्वच्छता मिशन को आगे बढ़ाने में शाला के आसपास अवस्थित पेड़ पौधों की उखाड़ कर इस अभियान में सहयोग दिया इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि कमल यादव के साथ नगर परिषद सी एम ओ प्रमोद बरुवा तथा कई कर्मचारी उपस्थित रहे शाला के प्राचार्य महेश गोस्वामी जन शिक्षक इंद्र गोठी शिक्षिका निशा योगी अतिथि शिक्षिका आयशा अली दीपक व्यास मोहन पर्ते आदि ने अतिथियों का स्वागत पुष्पहार से किया कार्यक्रम का संचालन संकुल सह समन्वयक वारिस अली ने किया तथा आभार संस्थाप्रभारी महेश गोस्वामी ने माना।

तेज वर्षा से जनजीवन हो रहा है प्रभावित

बागली। सोमवार को क्षेत्र में हुई तेज बारिश के चलते बेहरी मुख्यालय से निकली गुनेरी नदी व भोमिया जी समीप राजगढ़ की नदी का जलस्तर बढ़ने से दोपहर 3 देखते ही देखते नदी का पानी बढ़ता गया और रपटे के ऊपर से बहने लगा। इससे सुरक्षा की दृष्टि से दोनों ओर राहगीरों की आवाजाही रुक गई। रपटे के ऊपर पानी अधिक होने से आसपास के 15 से अधिक गांवों के लोगों का तहसील मुख्यालय से 4 घंटे संपर्क कट गया। 4 घंटे तक मुसीबत में फंसे लोगों को बहुत परेशानी हुई हालांकि यहां पर जिम्मेदार पंचायत कर्मी औरपुलिसकर्मी अनुपस्थिति रहे जिसके चलते आने जाने वाले राहगीर जान जोखिम में डाल कर उफनती नदी पार करते रहे। ग्रामीणों ने बताया, देर शाम तक नदी का रौद्र रूप बना रहा। बेहरी बागली मार्ग पर यातायात बंद रहने से नदी के किनारे खड़े लोग पानी में भीगते रहे। यहां कुछ स्थान ऐसे हैं। जहां पास में ठहरने के लिए जगह भी नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों नदी की निकासी बहुत छोटी होने की वजह से यह स्थिति बार-बार निर्मित हो जाती है। समय अधिक होने से बच्चे परेशान होकर रोने लगते हैं। नदी के पास सुलभ शौचालय नहीं होने से महिलाओं को परेशान होती रही । इस बार तो पानी का प्रकोप इतना अधिक रहा की अलग-अलग चार स्थानों पर आने जाने वाले फस गए बेहरी में उस पार बड़ी संख्याओं में महिला पुरुष फंसे दिखाई दिए जिन्हें बागली मुख्यालय पर आना था। वहीं भीमिया जी मंदिर और बेहरी की नदी में पानी अधिक होने से इसके मध्य में भी कुछ लोग फंसे रहे बागली तरफ से बेहरी जाने वाले लोग भी देर शाम तक पानी की वजह से अटके रहे।

अमलतास में विश्व फार्मेसी सप्ताह का शुभारम्भ

देवास। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, अमलतास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह का भव्य आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य फार्मेसी पेशे की महत्ता और स्वास्थ्य सेवा में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति व्यापक जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों और वार्ताओं ने छात्रों और शिक्षकों को प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरुआत में, संस्थान की प्राचार्या डॉ. नीलम खान ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि फार्मासिस्ट केवल दवाइयां प्रदान करने वाले पेशेवर नहीं हैं, बल्कि वे समाज के स्वास्थ्य की रीढ़ हैं। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह के दौरान जागरूकता कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं, प्रदर्शनियां और रैलियां आयोजित की जाएंगी। डॉ. महेन्द्र ठाकुर, उपाध्यक्ष एमसीडब्ल्यू हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड, इंदौर, ने भावी फार्मासिस्टों को उद्योग में उनकी भूमिका और उज्जवल भविष्य के लिए मार्गदर्शन दिया। मुख्य वक्ता डॉ. नितीश जैन, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, फार्माकोलॉजी, मॉडर्न इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज, इंदौर ने फार्मेसी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी, जिसने सभी को भविष्य के नवाचारों के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण क्षण अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी और एमसीडब्ल्यू हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, इंदौर के बीच सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर हुआ। इस अवसर पर, अमलतास विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. शरदचंद्र वानखेड़े और रजिस्ट्रार संजय रामबोले ने फार्मेसी के सामाजिक और चिकित्सा क्षेत्र में योगदान पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में डॉ. आस्था नागर, नर्सिंग प्राचार्य संगीता तिवारी, पैरामेडिकल प्राचार्य डॉ. अंजलि पंड्या और डॉ. स्नेहा सहाय भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका सिंह ने किया।

धूमधाम से विराजी मां भगवती, अंचल में नवरात्र की धूम

बाज़ार चौक पर होगी सबसे बड़ी गरबा प्रतियोगिता

सतवास। सतवास अंचल में सोमवार से शक्ति की भक्ति का महापर्व नवरात्र प्रारंभ हो गया। सतवास के प्रसिद्ध मां बीजासनी माता मंदिर वार्ड नं 5, चामुंडा माता मंदिर वार्ड नं 4, वैष्णो माता मंदिर वार्ड नं 3,के साथ ही सार्वजनिक नव दुर्गा उत्सव समिति बाज़ार चौक , महाराणा प्रताप चौराहा स्थित राजीव चौक बस स्टैंड, दुर्गा चौक किले के अंदर सहित तीन जगह घट स्थापना की गई। शारदीय नवरात्र की तैयारी पूर्ण कर बड़े बड़े पंडाल सजाए गए हैं माता की घट स्थापना गाजे बाजे बैंड ढोल नगाड़े जय माता दी के जयकारे के साथ बाज़ार चौक की माता प्रतिमा को स्थापना के लिए ले जाया गया। जिसमे नगर परिषद अध्यक्ष प्रति निधि सतनाम सिंघ बग्गा, मंडल अध्यक्ष,राजेश मालवीय राजेश मित्तल, विनोद राठी, जितेंद्र मित्तल, अंकित जायसवाल, दामु राठौर, सोनू दरबार, विक्रम शर्मा, बृजेश राठौर, आदि शामिल थे।

वार्ड क्रमांक 3 वैष्णो माता मंदिर की बालिकाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। इसी के साथ ही विधि विधान से सभी जगह पूजन प्रारंभ किया गया बाजार चौक के यजमान नारायण व्यास, एवं बस स्टैंड सतवास के प्रथम दिन के यजमान विकी जायसवाल, बिजासनी माता मंदिर पर जगदीश यादव सर , किले के अंदर दीपक व्यास ने पूजन किया। सोमवार से शक्ति की भक्ति का नवरात्र पर्व प्रारंभ हो गया, बालिकाओं द्वारा प्रतिदिन गरबा किया जावेगा। साथ ही 25 सितंबर को बाज़ार चौक सतवास पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती पर सांसद गरबा महोत्सव आयोजित किया जा रहा हैं जिसमें प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपए, एवं दूसरा पुरस्कार इक्यावन हजार रुपए तीसरा इकीस हजार रुपए, चतुर्थ ग्यारह हजार रुपए, पंचम पांच हजार रूपये रखा गया है यह अभी तक की सबसे बड़ी गरबा प्रतियोगिता होगी।

पुलिस अधीक्षक ने माँ चामुंडा एवं माँ तुलजा भवानी के दर्शन किए

देवास। नवरात्रि के प्रथम दिवस पर पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गेहलोद ने सपत्नीक माँ चामुंडा एवं माँ तुलजा भवानी के दर्शन किए तथा जिले में शांति, उन्नति एवं नवरात्रि के निर्विघ्न संपन्न होने हेतु प्रार्थना की तथा जिलेवासियों को नवरात्रि की शुभकामनाएँ दी।

शहर में साज सज्जा व आकर्षक विद्युत सजावट की

देवास। नवरात्री महापर्व के शुभारंभ अवसर पर नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों के साथ ही मार्गों पर आकर्षक साज सज्जा एवं आकर्षक विद्युत सज्जा कराई गई है। महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल ने बताया कि हम शहर व शहर से बाहर से टेकरी पर माताजी के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की भावना एवं श्रद्धा को दृष्टिगत रखते हुये रंगीन पताकाओं, रंगीन झण्डे व आकर्षक छत्रीयां व आकर्षक विद्युत सज्जा से सजावट की गई है।

घट स्थापना के साथ प्रज्वलित हुई अखंड ज्योत

बागली। सोमवार से पूरे देश में नवरात्रि पर्व मनाए जाने की शुरुआत हो गई है। प्रथम दिवस ग्राम बेहरी के कात्यानी देवी दरबार में अनुष्ठान के साथ-साथ नौ कुंडीय यज्ञ आयोजन के पूर्व नो जजमान जोड़ों की पूजा कराई गई। इस स्थान पर क्षेत्र की एकमात्र कात्यानी देवी का दरबार बना हुआ है। यहां के पंडित अंतिम उपाध्याय और अन्य विद्वानों ने बताया कि माता जी की स्थापना जटाशंकर के ब्रह्मलीन संत महंत केशव जी महाराज की सद प्रेरणा से की गई थी। यहां पर प्रति वर्ष शारदेय नवरात्रि और चेत्री नवरात्रि पर्व पर गरबे के आयोजन के साथ-साथ हवन अनुष्ठान आयोजन भी संपन्न होते हैं। 9 दिन तक शुद्ध देसी घी की अखंड ज्योत यहां पर जलाई गई। प्रथम दिन मंदिर परिसर को गंगाजल और गोमूत्र से साफ करते हुए यहां पर घट स्थापना की गई। सुबह शाम मंदिर परिसर में बड़ी मात्रा में आरती के समय श्रद्धालुओं की उपस्थिति यह दिखाती है कि सनातन तेजी ग्रामीण क्षेत्रों में फिर से लौट रहा है ।लोगों की आस्था बढ़ रही है। इस मंदिर परिसर के विषय में कहा जाता है कि यहां की माता जी की प्रतिमा साक्षात देवी का रूप है। यहां मान मन्नत पूरी होने पर लोग दूर-दूर से मैनपुरी करने आते हैं। और तुला दान करते हैं।

संस्था मां शारदा द्वारा पंचमी पर निकाली जाएगी भव्य चुनरी यात्रा

भौरासा। संस्था मां शारदा इंदौर के द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी नवरात्रि के पावन पर्व पर 27 सितंबर को एक भव्य चुनरी यात्रा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें धार्मिक आस्था के साथ समाज सुधार के कई संदेशों को प्रदर्शित कर यह चुनरी यात्रा निकाली जा रही है जिसमें नशा मुक्ति युवाओं को रोजगार से जोड़ना महिलाओं को सशक्त बनाना जेसे कई संदेशों को लेकर यह चुनरी यात्रा नगर में धूमधाम से निकाली जाएगी। संस्था के सहयोगी संतोष वर्मा, चेनसिंह यादव, केदार यादव आदि सदस्यों ने पत्रकार वार्ता में बताया कि भौरासा में नवरात्रि पर्व के चलते पंचमी तिथि पर भव्य चुनरी यात्रा संस्था द्वारा निकाली जाएगी। यात्रा सुबह 9.30 बजे चौधरी धर्मशाला पर पुजन करके प्रारम्भ होगी जो नगर के मुख्य मार्ग से होकर हनुमान चौक बस स्टैंड से होते हुए बाबा भंवरनाथ मंदिर से निकलकर शक्ति माता मंदिर पर पहुंचेगी। इस यात्रा में सैकड़ों महिलाएं, युवतियां तथा पुरुष चुनरी को थामे पैदल चलेंगे वहीं इस वर्ष यात्रा में आगे आगे माता के नौ रुपों में सजी बच्चीयां बघ्घी पर रहेगी जो रास्ते भर नगरवासियों को आशीर्वाद देते चलेगी। साथ ही अपील करेंगी समाज से नशाखोरी बंद हो उक्त चुनरी यात्रा में नगर की खुशहाली, तरक्की, तथा रोजगार एवं सुख शांति की कामना की मांग करते हुए निकाली जा रही है। इस यात्रा में डीजे ढोल आदि मौजूद होंगे परंतु शोर शराबा नहीं रहेगा। धार्मिक आस्था के साथ यह यात्रा आयोजित होगी । संस्था ने नगर व आसपास के क्षेत्र के लोगो से अपील की है कि वे यात्रा को सफल बनाएं तथा मां शक्ति का आशीर्वाद प्राप्त करें। गौरतलब रहे कि संस्था मां शारदा भौरासा में सामाजिक, धार्मिक, पारिवारिक आयोजन लगातार करती रहती है, संस्था महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने खातिर सिलाई मशीन भी बांटती रही है तो अन्य कामों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती है। संस्था संयोजक एड्वोकेट प्रमोद कुमार द्विवेदी है जो इंदौर मे वकालत करते हैं तथा उनका काफी समय भौरासा में बिता है जिस लगाव के चलते यहां उनकी संस्था लगातार धार्मिक आयोजन करवाती आ रही है।

मां चामुंडा सेवा समिति के नि :शुल्क सेवा पंडाल का संतों के सानिध्य में हुआ शुभारंभ

देवास। शारदीय नवरात्रि महापर्व पर मां चामुंडा सेवा समिति द्वारा विगत 41 वर्षों से अनवरत चल रहे नि:शुल्क सेवा पंडाल का शुभारंभ सोमवार को संत-महात्माओं व जनप्रतिनिधियों के सानिध्य में हुआ। रपट मार्ग स्थित पंडाल में नवरात्रि में प्रतिदिन 24 घंटे श्रद्धालुओं को निशुल्क महाप्रसादी वितरण किया जाएगा। संत महात्माओं, समाजसेवियों, सांसद, विधायक, महापौर, सभापति भाजपा जिला अध्यक्ष, शासकीय देवस्थान प्रबंध समिति अध्यक्ष एवं कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, नगर निगम कमिश्नर, जिला वन मंडल अधिकारी, बैंक नोट प्रेस के मुख्य महाप्रबंधक, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल कमांडेंट के आतिथ्य में शुभारंभ हुआ। स्वामी रामनारायण जी, स्वामी पूर्णानंद जी, गोपाल दास जी, ब्रह्माकुमारी प्रेमलता दीदी, विधायक गायत्री राजे पवार, सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल, सभापति रवि जैन, भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव, राजेश यादव, बीएनपी मुख्य महाप्रबंधक केदारनाथ महापात्रा, महाप्रबंधक सुखपालसिंह राठौर, उप महा प्रबंधक अभिराजसिंह ठाकुर द्वारा मां तुलजा भवानी व मां चामुंडा की पूजा अर्चना कर भंडारे का शुभारंभ किया। समिति संयोजक रामेश्वर जलोदिया ने बताया, कि नवरात्रि महापर्व के दौरान मां तुलजा भवानी एवं मां चामुंडा के दर्शनार्थ आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सेवा में रपट मार्ग के पास 24 घंटे निशुल्क महाप्रसादी वितरित की जाएगी। भारत चौधरी, धर्मेंद्रसिंह बैस, देवेंद्र नवगोत्री, मां चामुंडा सेवा समिति के नारायण व्यास, ओमप्रकाश पटेल, नरेंद्र मिश्रा, रामेश्वर जलोदिया, उम्मेदसिंह राठौड़, इंदरसिंह गौड़, दिनेश सांवलिया, प्रदीप लाठी, शशिकांत गुप्ता, मांगीलाल तपासे, शिवनारायण पाठक, समिति की मातृशक्ति प्रेमलता चौहान, दुर्गा व्यास, मंजू जलोदिया, संगीता जोशी, कला तंवर, कला अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

शुभ मुहूर्त में हुई माता जी की घट स्थापना

काँटाफोड़। शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व नगर में बहुत ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाता है। माँ राज राजेश्वरी मंदिर प्रांगण और सप्तश्रंगी माता मंदिर के दरबार में शुभ मुहूर्त में माता जी की घट स्थापना की गई। दोनों जगह पर नौ दिनों तक माताजी की उपासना बड़े उत्साह के साथ की जाएगी रोजाना छोटी-छोटी बालिकाओं के द्वारा गरबा किया जाएगा। मां सप्तश्रृंगी के दरबार में 9 दिनों तक भंडारे को आयोजन भी किया जाता है। महिला पुरुषों के साथ बच्चों में भी नवरात्र पर्व को लेकर खासा उत्साह रहता है। छोटे छोटे बच्चे विगत 9 दिनों तक उपवास रखकर माता की आराधना करते हैं, कोई नंगे पैर उपवास रखता है तो कोई मौन उपवास रखकर माताजी की उपासना करते हैं।

खेलकूद प्रतियोगिता में कर्मा को मिला सिल्वर मेडल

बागली। क्षेत्र की बेटी एवं वन विभाग में कार्यरत ज्योति कर्मा ने क्षेत्र का नाम रोशन किया विगत दिनों भोपाल में आयोजित वन खेलकूद प्रतियोगिता 2025 में 63/72 किलो भार कैटेगरी में वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के तहत वन मंडल देवास क्षेत्र में कार्यरत ज्योति कर्मा को सिल्वर मेडल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भोपाल में समारोह के अंतर्गत खेल समन्वयक भोपाल एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा प्रदान किया गया। प्रतिवर्ष वन विभाग द्वारा वन खेल कुद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। ज्योति कर्मा के सम्मानित होने पर वन विभाग कर्मचारी संघ के सदस्यों ने बधाई देते हुए हर्ष जताया है। बागली विधायक मुरली भंवरा ने इस सम्मान पर कहा कि बागली क्षेत्र की बेटी ने वन खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

सेवा पखवाड़ा अंतर्गत बच्चों के साथ किया पौधा रोपण

देवास। मध्य प्रदेश प्रशासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश अनुसार मध्य प्रदेश मे 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 के दौरान सेवा पखवाड़ा मनाया जाना हैं, इस अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी, स्वच्छता, सेवा, ओर जन कल्याणकारी कार्यक्रमों को व्यापक रूप देना हैं। नागरिकों मे स्वच्छता, सेवा ओर सामुदायिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करना हैं। इसी के अंतर्गत संस्था राह ए कलाम द्वारा राज्य आनंदम विभाग के साथ अली पब्लिक स्कूल मे पौधा रोपण कार्यक्रम रखा गया। इस अवसर पर राज्य आनंदम विभाग की डॉ समीरा नईम भी मौजूद थी जिन्होंने स्कूली बच्चो के साथ मिल कर स्कूल प्रांगण मे पौधे रोपित किए एवं इन पौधों की देख रेख का बच्चो से प्रण दिलवाया ओर पेड़ पौधों का हमारे जीवन मे क्या महत्व इसे विस्तार से समझाया। इसी के साथ विद्यार्थियों ,शिक्षिकाओं के द्वारा अपने घर एवं उसके आसपास भी पौधा रोपण कर नगर की जलवायु को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया गया ।डॉ समीरा द्वारा आनंद विभाग की विभिन्न गतिविधियों से सबको जोड़ा गया।

एक नजर सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता पर हुआ व्याख्यान

महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की गतिविधि के साथ अन्य आयोजन

देवास। उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स श्री कृष्णाजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास में 22 सितम्बर को भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय शांति दिवस, श्री कृष्ण-अर्जुन गीता संवाद (संस्कृति विभाग) एवं सेवा पखवाड़ा के तहत सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता पर व्याख्यान एवं विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई है। कार्यक्रम का प्रारंभ वीणापाणि माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्जवलन से किया गया। सरस्वती वंदना की मधुर प्रस्तुति अतिथि विद्वान खुशबू बैग एवं डॉ माया ठाकुर ने दी। महाविद्यालयीन प्राचार्य डॉ.एस.पी.एस राणा, डॉ. आर.एस अनारे-मुख्य वक्ता गीता संवाद, डॉ ममता लावरे मुख्य वक्ता सामाजिक कुरीतियाँ, डॉ रश्मि ठाकुर, डॉ सीमा सोनी एवं डॉ ममता झाला (भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ प्रभारी) ने कार्यक्रम संयोजक के रूप में मंच को गरिमा प्रदान की। प्राचार्य एवं मंचासीन विज्ञ प्राध्यापकों का शब्द सुमन से स्वागत अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर कृष्ण-अर्जुन सवांद के अंतर्गत डॉ अनारे ने कहा कि सभी भारतीय को अपने प्राचीन ग्रंथों का ज्ञान होना आवश्यक हैं। आपने गीता के 18 अध्यायों के सार को जीवन से जोडते हुऐ श्लोकों के माध्यम से कहा कि निष्काम कर्म जीवन में शांति और सफलता की कुंजी है। डॉ.रश्मि ठाकुर ने गीता की महत्ता पर स्वरचित कविता का वाचन किया और अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के उपलक्ष्य में दृश्य सामग्री के माध्यम से विश्व-शांति पर केन्द्रित प्रदर्शनी को सदन में दिखाया जिसमें विश्व-शांति की अवधारणा, आवश्यकता सम्बद्ध भारतीय मनीषियों के उद्धरण, शांति के नोबल पुरस्कार प्राप्त-मदर टेरेसा, नेल्सन मंडेला, मार्टिन लूथर किंग (जूनियर),दलाई लामा, कैलाश सत्यार्थी के योगदान पर प्रकाश डालते हुऐ वैश्विक शांति के प्रयास विषय पर प्रेरक उद्बोधन भी दिया। डॉ. लीना दुबे के मार्गदर्शन में सतत विकास लक्ष्यों के माध्यम से शांति विषय पर रखी गई परिचर्चा में प्रियाली जायसवाल, अक्षरा वर्मा, संकल्प सोंलकी और खुशबू वर्मा ने समूह चर्चा में भाग लिया तथा गरीबी उन्मूलन और शांति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वास्थ्य और कल्याण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण, न्याय और मजबूत संस्थाओं जैसे विषय पर अपने विचार सदन में रखे। ज्ञान परम्परा गतिविधि अर्न्तगत डॉ प्रतिमा रायकवार के निर्देशन में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं लैंगिक समानता विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया गया। सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता विषय पर डॉ ममता लावरे ने अपने वक्तव्य में कहा कि किसी भी देश की उन्नति उसके स्वस्थ समाज पर निर्भर करती है यदि हमें सही अर्थों में विकसित राष्ट्र बनाना हैं, तो इन कुरीतियों के विरूद्ध आवाज उठाना आवश्यक है। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष मनीष पारीख ने अपने संदेश में कहा कि- आयोजित कार्यक्रम के विषय अत्यन्त प्रासंगिक है जिसका ज्ञान विद्यार्थी जगत को नई दिशा प्रदान करेगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ राणा ने कहा कि अपने अहम् का परित्याग ही शांति का मार्ग प्रशस्त करता है। श्री कृष्ण-अर्जुन संवाद के संदर्भ में कहा कि शांति प्रयासों की विफलता महाभारत जैसे युद्ध को जन्म देती है। सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में राजा राममोहन राय के योगदान को सदन में रखा। इस अवसर पर डॉ विद्या महेश्वरी, डॉ बी.एस जाधव, डॉ मधुकर ठोमरे, डॉ. दिप्ती ढवले, डॉ जरीना लोहावाला, डॉ भारती कियावत, डॉ मनोज मालवीय, डॉ. राकेश कोटिया, डॉ ललिता गोरे,डॉ भारती वास्केल, डॉ. मोनिका वैष्णव, डॉ कैलाश यादव, डॉ हेमंत मंडलोई, डॉ. ओ.पी.शर्मा, डॉ सीमा परमार, श्रीमती निहारिका व्यास, दीपक अटाडिया की गरिमामय उपस्थिति रही एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिती रही। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन डॉ लीना दुबे ने किया तथा डॉ रजत राठौर ने सहयोग प्रदान किया। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियों के माध्यम से आभार डॉ सत्यम सोनी ने व्यक्त किया। विश्व शांति की कामना से परिपूर्ण भारतीय ज्ञान परम्परा के पोषक ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्षं शान्तिः मंत्र का सामूहिक पाठ कर कार्यक्रम का समापन किया गया।